RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
12
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

न्यायिक आचार संहिता / Code of Judicial Conduct

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय पर की गई विवादित टिप्पणी ने सार्वजनिक आक्रोश को जन्म दिया है। यह घटना न्यायपालिका की निष्पक्षता और जवाबदेही पर गंभीर बहस छेड़ने का कारण बन गई है।

न्यायिक आचार संहिता का परिचय:

न्यायिक आचार संहिता न्यायाधीशों के आचरण को निर्देशित करने वाले नैतिक सिद्धांतों को निर्धारित करती है, जिससे न्यायिक कार्यों में निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता बनी रहती है।

न्यायिक आचार संहिता के प्रमुख ढांचे:

1. न्यायिक जीवन के मूल्यों की पुन:स्थापना (1997):

- यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत एक आचार संहिता है जो सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए नैतिक मानकों को निर्धारित करती है।
- उद्देश्य: न्यायिक कार्यों में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना।

2. इन-हाउस प्रक्रिया (1999):

- न्यायिक कदाचार को औपचारिक महाभियोग प्रक्रिया के बाहर संबोधित करने की एक प्रणाली।
- शिकायतें मुख्य न्यायाधीश (CJI) या संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को की जा सकती हैं।

3. बेंगलुरु न्यायिक आचरण के सिद्धांत (2002):

- वैश्विक न्यायिक नैतिकता के मानक, जो निम्नलिखित को बढ़ावा देते हैं:
  - **निष्पक्षता और गरिमा:** न्यायाधीशों को निष्पक्ष और उच्च नैतिक मानकों वाला होना चाहिए।
  - **संयम के साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता:** न्यायाधीशों को विवादास्पद सार्वजनिक टिप्पणियों से बचना चाहिए।
  - **विविधता के प्रति सम्मान:** सभी व्यक्तियों के प्रति समान और निष्पक्ष व्यवहार करना आवश्यक है।

न्यायिक नैतिकता के प्रमुख सिद्धांत:

1. जनविश्वास और विश्वासयोग्यता:

- न्यायाधीशों को अपने आचरण से जनता का न्यायपालिका में विश्वास बनाए रखना चाहिए।

2. सार्वजनिक जवाबदेही:

- न्यायाधीशों के आचरण पर हमेशा सार्वजनिक दृष्टि रहती है, इसलिए उन्हें उच्च नैतिक मानदंड बनाए रखना चाहिए।

3. स्वतंत्रता और निष्पक्षता:

- न्यायाधीशों को बाहरी दबावों और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना चाहिए

न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया:

संवैधानिक प्रावधान:

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(4) और अनुच्छेद 217 के तहत, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को "सिद्ध दुर्व्यवहार या अक्षमता" के आधार पर हटाया जा सकता है।

महाभियोग प्रक्रिया:

प्रस्ताव की शुरुआत:

- संसद के किसी भी सदन में प्रस्ताव पेश किया जा सकता है।
- कुल सदस्यों के 1/3 और उपस्थित सदस्यों के 1/3 का समर्थन आवश्यक है।

संसदीय स्वीकृति:

- दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए।

राष्ट्रपति का आदेश:

- प्रस्ताव पारित होने के बाद, भारत के राष्ट्रपति न्यायाधीश को हटाने का आधिकारिक आदेश जारी करते हैं।

इन-हाउस जांच प्रक्रिया:

शिकायत दर्ज करना:

- शिकायतें मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, या राष्ट्रपति को सौंपी जा सकती हैं।

प्रारंभिक जांच:

- संबंधित उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश आरोपी न्यायाधीश से उत्तर मांगता है और परिणाम CJI को भेजता है।

तथ्य-खोज समिति:

- यदि गंभीर आरोप पाए जाते हैं, तो CJI दो मुख्य न्यायाधीशों और एक वरिष्ठ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वाली समिति बनाते हैं।

सिफारिश और कार्रवाई:

- यदि कदाचार सिद्ध होता है, तो CJI न्यायाधीश को इस्तीफा देने की सलाह दे सकते हैं।
- इनकार की स्थिति में रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी जाती है, जिससे महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

न्यायिक नैतिकता का महत्व:

1. **सार्वजनिक विश्वास बनाए रखना:** न्यायिक ईमानदारी से जनता का न्यायपालिका में विश्वास बना रहता है।
2. **न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना:** बाहरी प्रभावों से मुक्त रहकर न्यायाधीश निष्पक्ष निर्णय दे सकते हैं।
3. **कानून के शासन को मजबूत करना:** नैतिक आचरण से कानूनों की निष्पक्ष व्याख्या और न्याय सुनिश्चित होता है।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन / Bhartiya Antriksh Station

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने घोषणा की है कि भारत 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करेगा, जिसे 'भारत अंतरिक्ष स्टेशन' नाम दिया जाएगा। इसके अलावा, 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी योजना है।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (Bharatiya Antariksh Station - BAS):

परिचय:

- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS), भारत का प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन है, जो वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह पृथ्वी से 400-450 किमी की ऊँचाई पर कक्षा में स्थापित होगा।
- इसे चरणबद्ध तरीके से पाँच मॉड्यूल में निर्मित किया जाएगा।
- पहला मॉड्यूल (बेस मॉड्यूल) 2028 तक लॉन्च करने और 2035 तक स्टेशन को पूर्ण रूप से चालू करने का लक्ष्य है।

डिज़ाइन और संरचना:

- इसमें कुल पांच मॉड्यूल होंगे।
- वर्तमान में, संकल्पना चरण में परियोजना की समग्र संरचना, डॉकिंग पोर्ट और मॉड्यूल प्रकारों का अध्ययन किया जा रहा है।

गगनयान कार्यक्रम का विस्तार:

- गगनयान कार्यक्रम के दायरे को बढ़ाकर BAS के पहले मॉड्यूल का निर्माण शामिल किया गया है।
- इस उद्देश्य से 2028 तक प्रौद्योगिकी परीक्षण और प्रदर्शन के लिए चार मिशन लॉन्च किए जाएंगे।
- कुल बजट ₹20,000 करोड़ तक बढ़ाया गया है।

महत्त्व:

1. **मानव अंतरिक्ष यान और स्वास्थ्य अनुसंधान:**
   - यह दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों के लिए मानव सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी परीक्षणों के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।
2. **पृथ्वी अवलोकन:**
   - यह प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए बेहतर अवलोकन और डेटा संकलन में मदद करेगा।
3. **माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान:**
   - मांसपेशियों और हड्डियों के क्षरण जैसे स्वास्थ्य मुद्दों का अध्ययन तेज़ी से किया जा सकेगा।
4. **तकनीकी नवाचार और रोजगार:**
   - छोटे उद्यमी अपने उपकरणों और तकनीकों का परीक्षण कर सकते हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
5. **वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी:**
   - वर्तमान में भारत की वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 2% की हिस्सेदारी है, जिसे 10% तक बढ़ाने की योजना है।
6. **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा:**
   - यह परियोजना भारत को सीमित देशों के उस समूह में शामिल कर देगी जिनके पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन है।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन:

परिचय:

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) अब तक का सबसे बड़ा मानव निर्मित अंतरिक्ष यान है, जिसे 20 नवंबर, 1998 को लॉन्च किया गया था।
- यह एक अंतरिक्ष आवास के रूप में काम करता है और 2011 से लगातार मानव उपस्थिति बनाए हुए है।

मुख्य विशेषताएँ:

- सहभागी देश: यह अमेरिका (NASA), रूस (Roscosmos), यूरोप (ESA), जापान (JAXA) और कनाडा (CSA) की अंतरिक्ष एजेंसियों का संयुक्त परियोजना है।
- कक्षा: यह पृथ्वी से 400 किमी ऊपर कक्षा में परिक्रमा करता है।
- गति: यह लगभग 28,000 किमी/घंटा की गति से पृथ्वी की परिक्रमा करता है, जिससे हर 90 मिनट में एक चक्कर पूरा करता है।
- उद्देश्य: अंतरिक्ष और माइक्रोग्रैविटी पर अनुसंधान को बढ़ावा देना और वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करना।

महत्व:

1. **वैश्विक सहयोग का प्रतीक:** ISS अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, शांति और सहयोग का एक सफल उदाहरण है।
2. **अंतरिक्ष मिशन की तैयारी:** दीर्घकालिक अंतरिक्ष यात्रा और मंगल व चंद्रमा मिशनों की तैयारी के लिए यह एक परीक्षण मंच है।
3. **अंतरिक्ष चिकित्सा अनुसंधान:** मस्तिष्क रोग (जैसे अल्जाइमर और पार्किंसंस) और कैंसर जैसे रोगों पर उपचार अनुसंधान में मदद करता है।
4. **मानव अंतरिक्ष उड़ान अनुभव:** ISS ने अंतरिक्ष यात्रियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए प्रशिक्षित किया है।

अन्य अंतरिक्ष स्टेशन पहल:

चीन का तियानगोंग:

- चीन का स्व-निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन तियानगोंग 2022 के अंत से पूरी तरह से संचालित है। यह 450 किमी की ऊँचाई पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को समायोजित कर सकता है।

भारत का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS): भारत 2035 तक अपने अंतरिक्ष स्टेशन को स्थापित करने की योजना बना रहा है।

S-400 एयर डिफेंस सिस्टम / S-400 Air Defense System

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव से मुलाकात की थी। इस दौरान राजनाथ सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली S-400 मिसाइल सिस्टम की दो बची हुई यूनिट की जल्द डिलीवरी पर जोर दिया।

भारत-रूस S-400 एयर डिफेंस सिस्टम डील के मुख्य बिंदु:

1. **डील की घोषणा:** भारत और रूस के बीच S-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर डील 2018 में हुई थी।
2. **प्राप्त इकाइयाँ:** रूस ने अब तक भारत को S-400 की तीन यूनिट्स सौंप दी हैं।
3. **तैनाती क्षेत्र:** ये सिस्टम चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात किए गए हैं।
4. **सिस्टम की क्षमताएँ:**
   - S-400 एक लंबी दूरी का मिसाइल डिफेंस सिस्टम है।
   - यह 400 किमी की दूरी तक हवाई जहाज, ड्रोन, और मिसाइलों का पता लगाने, ट्रैक करने और नष्ट करने में सक्षम है।
5. **रणनीतिक महत्व:**
   - यह भारत की हवाई सुरक्षा को मजबूत करता है और देश की रक्षा प्रणाली को एक अत्याधुनिक बढ़त प्रदान करता है।

S-400 की खासियतें:

1. **ऑपरेशनल रेंज:**
   - S-400 की कार्यक्षमता 40 से 400 किमी तक है।
2. **मैक्सिमम स्पीड:**
   - यह मिसाइल सिस्टम 4800 मीटर/सेकंड (लगभग 17,000 किमी/घंटा) की अधिकतम गति से लक्ष्यों को भेद सकता है।
3. **मैक्सिमम ऊंचाई:**
   - यह 30 से 60 किमी की ऊंचाई तक के लक्ष्यों को ट्रैक और नष्ट कर सकता है।
4. **टारगेट डिटेक्शन रेंज:**
   - S-400 600 किमी की दूरी तक दुश्मन के लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम है।
5. **मिसाइल रेंज:**
   - 9M96E: 120 किमी
   - 48N6E2: 200 किमी
   - 48N6DM: 250 किमी
   - 40N6E: 400 किमी
6. **डिप्लॉयमेंट टाइम:**
   - यह सिस्टम केवल 5-10 मिनट में ऑपरेशन के लिए तैयार हो सकता है।

S-400 मिसाइल भारत के लिए कैसे मददगार होगी?

1. **भारत-रूस समझौता:**
   - भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ $5.5 बिलियन की डील साइन की।
   - इस डील के तहत भारत ने S-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की 5 यूनिट्स खरीदने का समझौता किया।
   - यह फैसला अमेरिका के CAATSA कानून के तहत प्रतिबंधों की चेतावनी के बावजूद लिया गया।
2. **वायु रक्षा क्षमता में बढ़ोतरी:**
   - S-400 सिस्टम भारत की वायु रक्षा क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत करेगा।
   - यह भारत को दुश्मनों की मिसाइल और हवाई हमलों से बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा।
3. **चीन-पाकिस्तान सीमा पर निगरानी:**
   - S-400 की उन्नत रडार क्षमताएं भारत को चीन और पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में गहरी निगरानी रखने में सक्षम बनाएंगी।
   - इससे भारत की स्थिति की जानकारी और प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार होगा।
4. **हर मौसम में कार्य करने की क्षमता:**
   - यह सिस्टम चरम तापमान पर भी काम कर सकता है, जिससे यह हर मौसम में उपयोगी है।
   - इसकी पहचान न कर पाने की विशेषता इसे और भी प्रभावी बनाती है।
5. **रक्षा रणनीति का मजबूत आधार:**
   - S-400 भारत की रक्षा रणनीति का एक मजबूत आधार बनेगा और देश की सुरक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

निवेश सुविधा विकास / Investment Facility Development

चीन द्वारा नेतृत्व किए गए निवेश सुविधा विकास (IFD) समझौते को विश्व व्यापार संगठन (WTO) में 128 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ है, लेकिन भारत, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और तुर्की इसे कमजोर देशों की नीतिगत स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव के कारण इसका विरोध करेंगे।

मुख्य बिन्दु:

- **चीन-नेतृत्व वाला IFD समझौता**: चीन द्वारा 2017 में प्रस्तावित, यह समझौता 128 WTO सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त कर चुका है।
- **भारत और अन्य देशों का विरोध**: भारत, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और तुर्की इसका विरोध कर रहे हैं, क्योंकि यह कमजोर देशों की नीतिगत स्वतंत्रता को खतरे में डाल सकता है।
- **चीन का दबाव**: चीन ने 166 WTO सदस्यों में से 128 का समर्थन प्राप्त किया है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है।
- **संचार**: IFD का उद्देश्य वैश्विक निवेश वातावरण में सुधार लाना और विकासशील देशों को FDI में मदद करना है।
- **अमेरिका की स्थिति**: अमेरिका इस समझौते का विरोध नहीं कर रहा, लेकिन वह इससे बाहर रहने का विकल्प चुन रहा है।
- **चीन से निवेश में बदलाव**: अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध और चीन में कम होती उपभोक्ता मांग के कारण निवेश प्रवाह चीन से हटकर ASEAN देशों की ओर बढ़ रहा है।

Investment Facilitation for Development (IFD) Agreement:

1. **शुरुआत**: IFD पहल की शुरुआत 11वीं WTO मंत्री सम्मेलन (MC11) में दिसंबर 2017 में 70 देशों द्वारा की गई थी।
2. **उद्देश्य**: इस समझौते का उद्देश्य निवेश प्रवाह को सुगम बनाने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रावधान तैयार करना है।
3. **लक्ष्य**: IFD का मुख्य उद्देश्य विकासशील और सबसे कम विकसित देशों की वैश्विक निवेश प्रवाह में भागीदारी को बढ़ाना है।
4. **प्रमुख क्षेत्रों में सुधार**:
   - **नियामक पारदर्शिता और पूर्वानुमानिता में सुधार**: निवेश संबंधित उपायों को प्रकाशित करना और पूछताछ बिंदु स्थापित करना।
   - **प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना**: मंजूरी प्रक्रिया में अत्यधिक कदमों को हटाना और आवेदन को सरल बनाना।
   - **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि**: विकासशील देशों और सबसे कम विकसित देशों के लिए तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण प्रदान करना।
   - **जिम्मेदार व्यापार व्यवहार को बढ़ावा देना**: उचित व्यापार व्यवहार को प्रोत्साहित करने के प्रावधान लागू करना।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के बारे में:

1. **स्थापना**: विश्व व्यापार संगठन (WTO) 1995 में स्थापित हुआ था, जिसका उद्देश्य देशों के बीच नियम आधारित व्यापार को बढ़ावा देना है।
2. **मुख्य कार्य**: WTO एक वैश्विक सदस्यता समूह है जो मुक्त व्यापार को बढ़ावा और प्रबंधित करता है। यह सरकारों को व्यापार समझौतों पर बातचीत करने और व्यापार विवादों का समाधान करने का मंच प्रदान करता है।
3. **उद्देश्य**: इसका उद्देश्य माल और सेवाओं के उत्पादकों, निर्यातकों, और आयातकों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में आसानी से संचालन करने में मदद करना है।
4. **सदस्य और पर्यवेक्षक**:
   - सदस्य: वर्तमान में WTO में 164 सदस्य हैं (जिसमें यूरोपीय संघ भी शामिल है)।
   - पर्यवेक्षक: 23 सरकारें पर्यवेक्षक के रूप में हैं (जैसे इराक, ईरान, भूटान, लीबिया आदि)।

WTO के मुख्य उद्देश्य:

1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए नियम बनाना और उन्हें लागू करना, जिससे आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा मिले।
2. व्यापार बाधाओं को घटाकर और भेदभावपूर्ण सिद्धांतों को लागू करके व्यापार उदारीकरण पर बातचीत और निगरानी का मंच प्रदान करना।
3. व्यापार विवादों का समाधान करना और विश्व शांति और स्थिरता में योगदान देना।
4. निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता बढ़ाना, ताकि कमजोर देशों को मजबूत आवाज मिल सके।
5. वैश्विक आर्थिक प्रबंधन में शामिल अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग करना।
6. विकासशील देशों को वैश्विक व्यापार प्रणाली से पूर्ण लाभ उठाने में मदद करना, ताकि व्यापार लागत कम हो सके।

भारत कौशल रिपोर्ट 2025 / India Skills Report 2025

'India Skills Report 2025' के अनुसार, 2025 तक भारत में ग्रेजुएट्स की रोजगार क्षमता 7 प्रतिशत बढ़कर 54.81 प्रतिशत तक पहुँचने की उम्मीद है।

- भारत कौशल रिपोर्ट 2025 के अनुसार, केरल भारत में सबसे अधिक रोजगार योग्य राज्यों में से रहा है।

India Skills Report 2025 के बारे में:

- **रिपोर्ट तैयार करने वाली संस्थाएँ:**
  - Confederation of Indian Industries (CII)
  - Wheebox (एक प्रतिभा मूल्यांकन एजेंसी)
  - All India Council for Technical Education (AICTE)
- **आधार:**
  - भारतभर में हुए Global Employability Test (G.E.T.) में 6.5 लाख से अधिक उम्मीदवारों के आंकड़े
  - 1,000 से अधिक कंपनियों के इनसाइट्स
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - भारत में रोजगार योग्य युवाओं की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी employability का मूल्यांकन करना।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- 2025 में लगभग 55 प्रतिशत भारतीय ग्रेजुएट्स के वैश्विक रोजगार के योग्य होने की उम्मीद है, जो 2024 में 51.2 प्रतिशत था (7 प्रतिशत की वृद्धि)।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रबंधन ग्रेजुएट्स (78 प्रतिशत) की वैश्विक रोजगार क्षमता सबसे अधिक है, उसके बाद इंजीनियरिंग छात्रों (71.5 प्रतिशत), MCA छात्रों (71 प्रतिशत) और विज्ञान ग्रेजुएट्स (58 प्रतिशत) का स्थान है।
- महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली जैसे राज्य रोजगार योग्य प्रतिभाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहे हैं, जबकि पुणे, बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर कौशलपूर्ण कार्यबल प्रदान करने में अग्रणी हैं।
- लिंग विश्लेषण के अनुसार, पुरुषों के लिए रोजगार क्षमता 2025 में 51.8 प्रतिशत से बढ़कर 53.5 प्रतिशत होने की संभावना है, जबकि महिलाओं के लिए यह दर 50.9 प्रतिशत से घटकर 47.5 प्रतिशत होने का अनुमान है।
- 2025 तक, 50 प्रतिशत माध्यमिक और तृतीयक छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे भारत वैश्विक प्रतिभा बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।
- रिपोर्ट में यह भी बल दिया गया है कि व्यावसायिक प्रशिक्षण को उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ना, खासकर उभरते क्षेत्रों जैसे कि AI, साइबर सुरक्षा और ग्रीन एनर्जी में, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकारी कौशल विकास योजनाएं:

1. **कौशल भारत मिशन (SIM):** यह मिशन कौशल विकास, पुन: कौशल और उन्नत कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए MSDE द्वारा संचालित किया जाता है। इसमें कौशल विकास केंद्रों, कॉलेजों और संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित किया जाता है।
2. **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):** यह योजना युवाओं को शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग और Recognition of Prior Learning (RPL) के माध्यम से कौशल प्रदान करती है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना है।
3. **जन शिक्षण संस्थान (JSS):** यह योजना गैर-लिखित, नव-लिखित और स्कूली ड्रॉपआउट्स को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, विशेष रूप से महिलाओं, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग को प्राथमिकता दी जाती है।
4. **राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रचार योजना (NAPS):** यह योजना उद्योगों में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को बढ़ावा देती है और प्रशिक्षुओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके तहत उद्योगों में मूलभूत प्रशिक्षण और कार्यस्थल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।
5. **शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (CTS):** यह योजना ITIs के माध्यम से दी जाती है, जहां युवाओं को विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें उद्योगों के लिए तैयार किया जाता है और आत्म-रोजगार के अवसर प्रदान किए जाते हैं।
6. **अन्य मंत्रालयों द्वारा योजनाएं:** कई अन्य योजनाएं जैसे Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDU-GKY), RSETI, NULM, TEJAS और SANKALP के द्वारा भी कौशल विकास और उन्नति के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

वर्ल्ड सोलर रिपोर्ट 2024 / World Solar Report 2024

इंटरनेशनलसोलर अलायंस (ISA) द्वारा वर्ल्ड सोलर रिपोर्ट 2024 जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 में 1.22 GW से शुरू होकर 2023 में यह क्षमता बढ़कर 1,419 GW तक पहुँच गई है, जिससे लगभग 36% की वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) हासिल की गई है। आज के समय में, सौर क्षमता विश्वभर में होने वाली सभी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि का तीन-चौथाई हिस्सा बन गई है।

नई सौर तकनीकें:

- **क्वांटम डॉट सौर कोशिकाएं:** इनकी दक्षता 18.1% तक पहुँच गई है, जो सौर ऊर्जा कैप्चर करने और जलवायु जल संचयन प्रौद्योगिकियों को बेहतर बनाने के लिए एक प्रभावी तरीका साबित हो सकती हैं।
- **स्व-उपचार सौर पैनल:** शोधकर्ता ऐसे पैनल विकसित कर रहे हैं जो अपनी उम्र को बढ़ाने और मौजूदा सौर कोशिकाओं के रखरखाव को कम करने में मदद करेंगे।
- **सौर ऊर्जा आधारित फाइटो-माइनिंग:** यह तकनीक सौर ऊर्जा का उपयोग करके मिट्टी से कीमती धातुओं का निष्कर्षण करती है, जो पारंपरिक खनन प्रक्रियाओं के मुकाबले एक सतत विकल्प प्रदान करती है।
- **सौर पेवर ब्लॉक्स और BIPV (Building Integrated PV):** यह इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ एकीकृत होते हैं, जो पारदर्शी सौर पैनलों की मदद से रोशनी को प्रवेश करने देते हैं और दृश्यता बनाए रखते हैं। इन नई तकनीकों का विकास लिथियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसी महत्वपूर्ण सामग्रियों पर निर्भरता को कम करेगा।
- **सौर पैनल पुनर्चक्रण:** सौर क्षेत्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सौर पैनल पुनर्चक्रण और सर्कुलर इकोनॉमी प्रैक्टिसेस को प्राथमिकता दे रहा है।

लागत में कमी:

- 2024 की वर्ल्ड सोलर रिपोर्ट के अनुसार, उपयोगिता-स्तरीय सौर फोटोगलैफिक (PV) परियोजनाओं की औसत नीलामी कीमत सभी क्षेत्रों में लगातार घट रही है।
- 2024 में, इनकी कीमत $40/MWh रही।
- भारत ने सौर PV क्षमता के लिए $34/MWh की नीलामी कीमत के साथ वैश्विक नीलामी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।
- 2024 तक, सौर PV तकनीकी में निवेश $500 बिलियन को पार करने की संभावना है, जो अन्य सभी ऊर्जा उत्पादन रूपों के संयुक्त निवेश से अधिक होगा।

वैश्विक बाजार का हाल:

- 2023 तक, चीन ने वैश्विक सौर PV बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बनाई, जहां चीन का योगदान 43% (609 GW) है।
- अमेरिका का योगदान 10% (137.73 GW) है।
- जापान, जर्मनी और भारत प्रत्येक का योगदान 5-6% है।
- ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, इटली और स्पेन जैसे उभरते सौर बाजारों का योगदान लगभग 2% है।
- 2023 में, सौर PV घटकों के निर्माण में चीन की हिस्सेदारी में भारी वृद्धि हुई:
  - 97% हिस्सेदारी वेफर निर्माण में।
  - 89% हिस्सेदारी सेल निर्माण में।
  - 83% हिस्सेदारी मॉड्यूल इंस्टॉलेशन में।

सौर ऊर्जा ने अन्य उद्योगों पर प्रभाव :

- **रोजगार का वृद्धि:** 2023 में सौर PV क्षेत्र में 7.1 मिलियन नौकरियों का सृजन हुआ, जो 2022 में 4.9 मिलियन था, जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है और यह आर्थिक विकास में योगदान कर रहा है।
- **कृषि में बदलाव:** सौर ऊर्जा द्वारा संचालित सिंचाई प्रणालियाँ कृषि को बदल रही हैं। वैश्विक सौर पंप बाजार में 2021 से 2027 तक 5.8% CAGR से वृद्धि होने का अनमान है।
- **अग्रिवोल्टिक्स:** यह प्रणाली पशुपालन में सौर पैनलों का उपयोग करती है, जहां सौर पैनल पशुओं को छांव प्रदान करते हैं और साथ ही बिजली उत्पादन करते हैं।
- **पेय-एज-यू-गो मॉडल:** इस मॉडल के माध्यम से उपयोगकर्ता छोटे और नियमित किश्तों में अपने सौर प्रणालियों के लिए भुगतान कर सकते हैं, जिससे सौर ऊर्जा को अधिक सुलभ बनाया गया है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

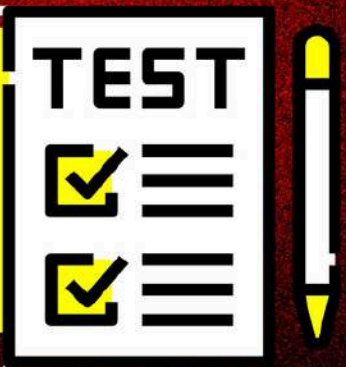

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !